www.rajteachers.com

प्रभात खबर
शनिवार, 12 अगस्त, 2017
मूल्य : 1.00 (साप्ताहिक)

# हमारा बाल प्रभात

हमारे देश को आजाद हुए 70 वर्ष पूरे हो चुके हैं. इस 15 अगस्त को हम 71वां स्वतंत्रता दिवस मनायेंगे. तुम सभी जानते हो कि यह आजादी हमें कितनी मुश्किलों से मिली है. इसे हासिल करने के लिए देश के सपूतों ने अपने जीवन का एक-एक कतरा लगा दिया था. अब इस देश को ऊंचाइय ों पर ले जाने का जिम्मा तुम जैसे बच्चों पर ही है. तुम्हारी मेहनत, लगन और प्रयासों से ही हमारा देश दुनिया में शीर्ष पर पहुंचेगा. इस वर्ष आजादी के उत्सव में लो इस बात का संकल्प.

## स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

## 15 अगस्त 1947

*आज देश मे नयी भोर है*
*नयी भोर का समारोह है*
*आज सिंधु-गर्वित प्राणों में*
*उमड़ रहा उत्साह*
*मचल रहा है*
*नये सृजन के लक्ष्य बिंदु पर*
*कवि के मुक्त छंद-चरणों का*
*एक नया इतिहास*
*आज देश ने ली स्वतंत्रता*
*आज गगन मुस्काया*
*आज हिमालय हिला*
*पवन पुलके*
*सुनहली प्यारी-प्यारी धूप*
*आज देश की मिट्टी में बल*
*उर्वर साहस*
*आज देश के कण-कण*
*ने ली*
*स्वतंत्रता की सांस.*

■ शील

# मनाओ आजादी का उत्सव

कवर पेंटिग
तनुश्री मंडल-12,
शुभआंकन पेंटिंग क्लास, रांची

## डियर फ्रेंड्स

**तुम** सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई. हम भारतीयों के लिए यह राष्ट्रीय पर्व वह पावन दिन है, जिसे पाने के लिए लाखों लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया. तुम्हें पता होगा कि इस वर्ष हमलोग 71वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं. तुम्हारे स्कूलों में इसकी तैयारी भी पूरी हो चुकी होगी. इस मौके पर होनेवाले सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे अंदर देशभक्ति की भावना जगाते हैं, इसलिए तुम्हें इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए. अब हमारी लड़ाई गंदगी से है. तो तुम अपने घर के साथ आस-पड़ोस को स्वच्छ बनाने के तरीके ढूंढ़ो. दोस्तों का ग्रुप मिल कर एक टास्क फोर्स बना सकते हो. लोगों को जागरूक करो कि वे घर का कूड़ा-कचरा जहां-तहां न फेंकें व हर कोई अपने घर के सामने सफाई का पूरा ध्यान रखे. तुम संकल्प ले सकते हो कि हम एकजुट रहेंगे. किसी से कोई जाति को लेकर भेद्भाव न करें. एक अच्छा नागरिक बनने का संकल्प ले सकते हो. इन्हीं छोटी-छोटी कोशिशों से हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं. आशा है स्वतंत्रता दिवस पर रोचक जानकारियों से भरपूर यह विशेष प्रस्तुति तुम्हें पसंद आयेगी.

इमेल - **balprabhat@prabhatkhabar.in**

तुम्हारे भैया, **रजनीश**

## देश की पहली महिला

देश की स्वतंत्रता के 70 साल बाद आज आधी आबादी यानी महिलाएं एक-एक कर सफलता के नये मुकाम बना रही हैं. लेकिन भागीदारी के मामले में महिलाओं की संख्या अब भी पुरुषों के मुकाबले कम है. स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जानते हैं आधी आबादी का पहला कदम.



**देश की पहली महिला शिक्षिका :** सावित्री बाइ फुले ने समाज से लड़ कर महिला शिक्षा की लड़ाई लड़ी.

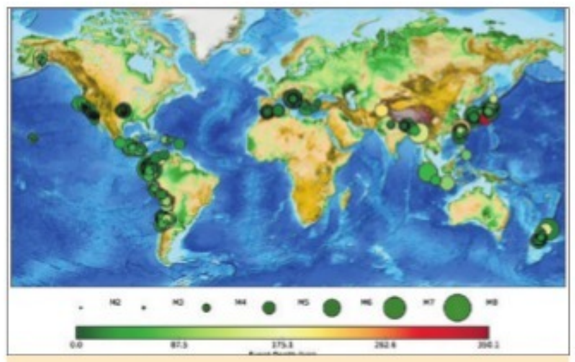



**नोबेल पुरस्कार विजेता प्रथम भारतीय महिला :** मदर टेरेसा ने सेवा भाव की मिसाल कायम की थी.



जानकारियां, जो काम आयेंगी जीवन भर

# क्या है इंडिया क्वेक

इंडिया क्वेक एक एप है. इसकी सहायता से दो मिनट से भी कम समय में भूकंप के केंद्र, समय और उसकी तीव्रता की जानकारी प्राप्त की जा सकती है. इस एप का उद्देश्य भूकंप के दौरान लोगों की घबराहट कम करना है. भूकंप आने की स्थिति में राष्ट्रीय भूकंप केंद्र अपने नेटवर्क से स्टेशनों का पता लगाता है.

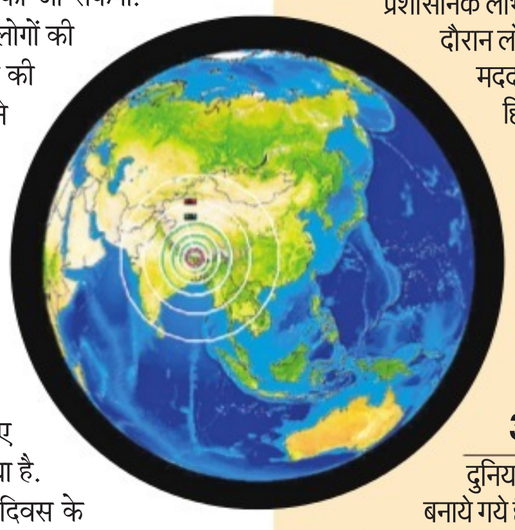



**इंडिया** क्वेक एक मोबाइल एप है. इसकी सहायता से दो मिनट से भी कम समय में भूकंप के केंद्र, समय और उसकी तीव्रता की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी. इस एप का उद्देश्य भूकंप के दौरान लोगों की घबराहट कम करना है. भूकंप आने की स्थिति में राष्ट्रीय भूकंप केंद्र अपने नेटवर्क से डाटा का उपयोग करते हुए इन स्टेशनों का पता लगाता है तथा इमेल तथा फैक्स के माध्यम से संबंधित सरकारी विभाग और अन्य हितधारकों में भूकंप के बारे में सूचना का प्रसार करता है, लेकिन इस प्रसार में कुछ देरी होती है. इस गतिरोध को दूर करने के लिए यह मोबाइल एप विकसित किया गया है. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की स्थापना दिवस के अवसर पर इंडिया क्वेक को लांच किया था.





### गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध

यह एप कोई भी नागरिक डाउनलोड कर सकता है और अपने मोबाइल पर वास्तविक समय पर भूकंप स्थान की सूचना प्राप्त कर सकता है. एप के वैज्ञानिक और प्रशासनिक लाभों के अतिरिक्त इससे भूकंप के दौरान लोगों की घबराहट कम करने में मदद मिलेगी. उदाहरण के लिए यदि हिंदकुश (अफगानिस्तान) में भूकंप आता है और इसे दिल्ली में गंभीरता से महसूस किया जाता है, तो उस स्थिति में दिल्ली के लोग दो मिनट से भी कम समय में यह जान सकेंगे कि भूकंप का केंद्र दिल्ली में नहीं, बल्कि अफगानिस्तान है.

### अन्य एप्स उपलब्ध

दुनिया भर में कई अन्य स्मार्टफोन एप बनाये गये हैं, जिनसे भूकंप की पूर्व चेतावनी मिल जाती है. तथा उसके अपडेट मिलते रहते हैं.

### यूरेकूरू कॉल

यह एप एप्पल आइओएस और एंड्रॉयड दोनों ही ऑपरेटिंग सिस्टम वाले गैजेट्स पर काम करता है. यह एप पूरी तरह से फ्री है. इसकी खासियत है कि यह भूकंप आने से पहले ही अलर्ट जारी कर देता है. इसके अलावा यह भूकंप का केंद्र और उससें जुड़ी कई जानकारियां मैप में दिखाता है.

### अर्थक्वेक अलर्ट

भूकंप और सुनामी की जानकारी देने वाला अर्थक्वेक अलर्ट एंड्रॉयड एप है. इसे गूगल प्ले स्टोर से बिल्कुल मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है. यह एप 4.5 से ऊपर की तीव्रता वाले भूकंप की जानकारी देता है. यह भूकंप और सुनामी के बारे में अलर्ट करने समेत इसकी लोकेशन भी मैप के आधार पर बताता है. इस ऐप के डाटा को तुम इंटरनेट पर भी शेयर कर सकते हो.

### जेंपालोका

भूकंप आने से पहले जानकारी देने वाला यह जेंपालोका एप ब्लैकबेरी ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है. यानी ब्लैकबेरी स्मार्टफोन यूजर्स इसे उपयोग कर सकते हैं. भूकंप की जानकारी यह वाइब्रेट और रेड ग्लाविंग के तहत देता है. इस एप को तुम ब्लैकबेरी वर्ल्ड से फ्री में डाउनलोड कर सकते हो.

## अपडेट



अलीबाबा के फाउंडर जैक मा को पछाड़ कर चीनी इंटरनेट कंपनी टेंसेंट के चेयरमैन मा हुवाटेन देश के सबसे अमीर व्यक्ति बन गये हैं. टेंसेंट के शेयर की कीमतों में 2.95% की वृद्धि से हुवाटेन की निजी संपत्ति में करीब 1 अरब डॉलर का इजाफा हुआ, जिससे उनकी नेटवर्थ 36.2 अरब डॉलर हो गयी, जो जैक मा की नेटवर्थ (35.6 अरब डॉलर) से अधिक है.

जापान में वर्गाकार तरबूज बहुत लोकप्रिय हैं और लोग इनके लिए 16,200 येन (9 से 10 हजार रुपये) चुकाते हैं. यह तरबूज खाने की जगह घर सजाने के काम आते हैं और इन्हें एक महीने तक घर में रखा जा सकता है. गौरतलब है कि वर्गाकार आकार में लाने के लिए इन्हें धातु के खांचों में उगाया जाता है, जिससे स्वत: यह वर्गाकार रूप ले लेता है.

कार कंपनी निसान के आगामी मॉडल पाथ फाइंडर में रियर डोर अलर्ट सेंसर होगा, जो बच्चों या पालतू जानवरों को कार में अकेला छोड़ कर जाने पर हॉर्न बजाने लगेगा. पार्किंग के बाद कार लॉक करने से पहले ड्राइवर पीछे वाली सीट की अच्छे से जांच कर ले, इसलिए यह सेंसर हॉर्न बजाने लगता है. निसान 2018 में यह मॉडल लॉन्च करेगी.

रियो ओलिंपिक्स में रजत पदक जीतने वाली भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने आंध्र प्रदेश सरकार में डिप्टी कलेक्टर का पदभार संभाल लिया है. 22 वर्षीय सिंधु ने विजयवाड़ा में भूमि प्रशासन के मुख्य आयुक्त के दफ्तर में नौकरी शुरू की है. बुधवार को सिंधु का दफ्तर में गुलदस्ते और मालाओं से स्वागत किया गया.

---

अपने देश के राष्ट्रीय ध्वज की तरह दुनिया के अलग-अलग देशों के झंडे हैं. इन झंडों की भी अपनी खासियत है. इनमें प्रयोग किये गये प्रतीकों का खास महत्व भी है. तुम भी जानो इससे जुड़ी रोचक बातें.

# विश्व के कुछ अलग-अलग देशों के झंडे

### नेपाल

यह दुनिया का सबसे पुराना सरकारी झंडा है. यह अकेला ऐसा झंडा है, जो आयताकार न होकर ट्राएंगुलर शेप में है. हिमालय के शिखर के समान ट्राएंगुलर शेप के कारण ही इसे शांति-सद्भाव के प्रतीक व नीले रंग के फ्रेम से इसे बौद्ध धर्म से जोड़ा जाता है.

### अमेरिका

झंडे में दिये गये सफेद स्टार अमेरिका में मौजूद 50 राज्यों की संख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं. ये स्टार नीले रंग के आकाश में 6-5-6-5-6-5-6-5-6 के पैटर्न पर हैं. अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन के साम्राज्य से वर्ष 1776 में आजाद हुआ था. उस समय उसके पास केवल 13 यूनियन टेरेटरीज थीं. अमेरिका के झंडे में दी गयी लाल और सफेद रंग की 13 हॉरीजॉन्टल्स लाइन इन्हीं को दर्शाती हैं.

### यूनाइटेड किंगडम

झंडे के सिंबल इंगलैंड, स्कॉटलैंट और वेल्स के बीच संबंध को दर्शाते हैं. यह स्कॉटलैंड के संरक्षक सेंट एंड्रयू, इंगलैंड के सेंट जार्ज के सफेद और आयरलैंड के सेंट पैट्रिक के लाल क्रूज पर रेड क्रॉस के नीले और सफेद सॉलटायर को मिला कर बना है, जो ब्रिटेन की छवि पेश करता है.

### ब्राजील

ब्राजील फीफा वर्ल्ड कप का गढ़ माना जाता है. इसके झंडे में भी फुटबॉल ग्राउंड बना है. नीले रंग की बॉल को हरे घास के स्टेडियम में पीली पिच पर दिखाया गया है. बॉल का नीला रंग रात का और उस पर बने स्टार ब्राजील के राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं.

### दक्षिण अफ्रीका

छह रंगोंवाला दक्षिण अफ्रीका का झंडा अंगरेजों से रंगभेद के लंबे संघर्ष की कहानी का प्रतीक है. सबसे पहले यह वर्ष 1994 में नेल्सन मंडेला के राष्ट्रपति बनने पर फहराया गया.

### इस्रायल

यह अकेला ऐसा देश है, जिसके राष्ट्रीय ध्वज पर यहूदी धर्म के प्रतीक नीला 6-कोणीय स्टार व दो नीली पट्टियां बनी है.

### कंबोडिया

कंबोडियन झंडे में अंगकोरवाट के हिंदू व बौद्ध धर्म से जुड़े ऐतिहासिक आंगकोरवाट मंदिर को सफेद व काली आउटलाइन में दिखाया गया है.

### मोजांबिक

इसमें बनी किताब शिक्षा के मूल्य का, कुदाल कृषि का और एके-47 राइफल स्वतंत्रता की लड़ाई का प्रतीक है.

**प्रस्तुति : रजनी अरोड़ा**

वर्ष : 3, अंक : 105 आरएनआई रजिस्ट्रेशन : JHAHIN/2015/66392, अखबार के स्वामी न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस लि. के लिए. मुद्रक एवं प्रकाशक : आशुतोष चौबे द्वारा न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस लि., एम.एच.आई. बिल्डिंग, ओल्ड हजारीबाग रोड, कोकर, रांची-834001, (झारखंड) से मुद्रित और न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस लि., 15-पी, कोकर इंडस्ट्रियल एरिया, रांची (झारखंड) से प्रकाशित. प्रधान संपादक : आशुतोष चतुर्वेदी, संपादक : विजय पाठक*( पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)

# हमारी स्वतंत्रता के 70 वर्ष

निभा सिन्हा, (शिक्षिका व लेखिका)

**आज देश की आजादी से ज्यादा व्यक्तिगत आजादी हावी हो गयी है, हर कोई अपना अधिकार चाहता है, मगर अपना कर्तव्य पूरा करना नहीं चाहता. हम आज भी अशिक्षा, गरीबी, भ्रष्टाचार ,रुढ़िवादिता, धर्मांधता से जकड़े हुए हैं. प्रतिभावान होने पर भी कई क्षेत्रों में अपने विकास के लिए विदेशी तकनीक अपनाने को विवश हैं.**

रिया और रेयान आज पार्क में खेलने नहीं चलना है क्या? दादाजी ने शाम की चाय पीकर रोज की तरह दोनों बच्चों को आवाज लगायी. नहीं दादाजी आज नहीं, मुझे कुछ होमवर्क करना है, रेयान ने अपने कमरे के अंदर से ही कहा. शायद वह कुछ व्यस्त था. ओ नटखट रिया, कहां हो? आज पार्क जाने में इतनी देर क्यों भाई? थोड़ी देर शांति रही. अरे क्या बात हो गयी कि आज मेरे दोनों बच्चे पार्क नहीं जाना चाहते. रोज तो मुझसे पहले तैयार होकर कहते थे कि दादाजी अपनी चाय जल्दी खत्म कीजिए हमें खेलने जाने में देर हो जायेगी- कह कर दादाजी ने एक साथ कई प्रश्नों की झड़ी लगा दी. तभी तीसरी कक्षा में पढ़नेवाली रिया ने भी कमरे से बाहर निकल कर धीरे से कहा- दादाजी आज तो मैं भी पार्क नही जाऊंगी. मुझे तिरंगा झंडा बनाना है तथा एक देशभक्ति गीत भी याद करनी है. अब रेयान (जो आठवीं कक्षा का छात्र था) कमरे से बाहर निकला और कहा- बात दरअसल यह है कि तीन दिन बाद 15 अगस्त आनेवाला है, यानी हमारा स्वतंत्रता दिवस. मेरी क्लास टीचर ने मुझे और मेरे सहपाठियों को उस अवसर पर एक लेख तैयार करने को कहा है, जिसका शीर्षक है स्वतंत्रता के सत्तर वर्ष. मैं उसी की तैयारी में व्यस्त हूं, पर मुझे समझ नहीं आ रहा कि अपनी तैयारी करूं तो कैसे करूं, जिससे मेरी अध्यापिका खुश हो जाये.

अच्छा तो यह बात है, मेरे बच्चो. चलो पार्क चलते हैं वही बैठ कर कुछ सोचेंगे, शायद कुछ हल निकल जाये, दादाजी ने मुस्कुराते हुए लाड़-भरे स्वर में कहा. ठीक है- कह कर अनमने ढंग से रेयान भी दादाजी और रिया के साथ निकल पड़ा, क्योंकि मम्मी-पापा के वर्किंग होने के कारण उसे घर में अकेले रहना पड़ता. रास्ते में रिया ने दादाजी से पूछा- अच्छा यह बताइए कि आपके बचपन में भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री लाल किले पर अपना राष्ट्रध्वज फहराकर राष्ट्रगान गाते थे?

दादाजी- हां, हमारे विद्यालयों में भी कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होते और मिठाइयां बंटती थीं, जैसे तुम लोगों के विद्यालय में होता है. रिया बोल पड़ी- दादाजी 15 अगस्त, 1947 जब हमारे देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी, तो आप कितने वर्ष के होंगे? दादाजी ने कुछ सोचते हुए कहा- उस समय मेरी उम्र लगभग 7-8 वर्ष की रही होगी. इसके पहले कि रिया दादाजी से कुछ और प्रश्न करती अचानक रेयान को एक सूझा और उसके मुस्कान फैल दादाजी ने इशारे ने कहा- कुछ अपने दोस्तों के पास बैठना होगा. पूछना है आपसे. तुम्हारी इच्छा. पहुंच गये, जहां उनका इंतजार ही रेयान ने ध्रुव, खुशी को अपने को अपने घर से लाने को कहा. आया तो रेयान किया- दोस्तों, देश अपना

आइडिया चिंतित मुख पर एक मधुर गयी. पोते की मुस्कान देख से पूछा- क्या बात है? रेयान नहीं दादाजी बस आज आपको साथ सैर कम कर थोड़ी देर मेरे मुझे और मेरे दोस्तों को कुछ ठीक है भई, जैसी इतने में वे तीनों पार्क उनके अपने-अपने दोस्त कर रहे थे. पार्क पहुंचते यमन, प्रीत, आकाश, पास बुलाया तथा यमन एक कलम और डायरी जब यमन वापस ने कहना शुरू इस बार हमारा 71वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है. इसके पूर्व हम सत्तर बार इस जश्न को मना चुके हैं. सत्तर वर्ष सुन कर ऐसा नहीं लगता जैसे आजादी की उम्र हमारे दादाजी या नानाजी की उम्र के लगभग आस-पास ही होगी. हां बिलकुल- दोस्तों ने कहा. रेयान- मतलब आजादी के समय हमारे दादाजी और नानाजी भी बहुत छोटे रहे होंगे, तो मेरे मन में ख्याल आया कि क्यों न इस बार स्वतंत्रता दिवस के संबंध में अपने बुजुर्गों के अनुभवों को जाना जाये और उसे दोस्तों के बीच शेयर किया जाये? सभी ने ताली बजा कर रेयान की बातों का समर्थन किया. इतने में दादाजी आकर पार्क में रखे बेंच पर बैठ गये. सभी बच्चों ने उन्हें एक साथ नमस्ते किया. सब दादाजी के अनुभव जानने के लिए उत्सुक दिख रहे थे. बातूनी यमन ने दादाजी से पहला प्रश्न किया- दादाजी आपके विचार से स्वतंत्रता दिवस मनाना आवश्यक क्यों है?

दादाजी अपना गला साफ करते हुए कहने लगे- बच्चों सदियों की गुलामी सहते-सहते हमारे देश और देशवासियों की हालत बहुत दयनीय हो चुकी थी, ऐसे में स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए अनेक देशभक्तों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अनेकों कुर्बानियां दीं. दादाजी स्वतंत्रता का अर्थ क्या है? खुशी ने झट से पूछा. दादाजी (कुछ सोचते हुए)- स्वतंत्रता का अर्थ है देश का आम नागरिक बिना किसी दबाव और भय के अपना जीवन अपने नियमों और अनुशासन के अधीन रखकर स्वाभाविक रूप से जी रहा हो. उसे भयभीत हुए बिना अपने विचार प्रकट करने की आजादी हो. इसी बीच दादाजी के दो मित्र भी अपनी सैर खत्म कर वहां आ पहुंचे और दादाजी के अगल-बगल में बैठ कर उनकी बातें ध्यान से सुनने लगे.

अगला प्रश्न प्रीत ने किया- दादाजी अब देशभक्ति या देशप्रेम के विषय में बताइए. इस बार जवाब दादाजी की बजाय उनके दाएं तरफ बैठे हुए एक अन्य बुजुर्ग ने दिया और कहने लगे- बच्चो सामान्यतया देशभक्ति का मतलब झंडा फहराना, देशभक्ति के गीत गाना या सीमा पर तैनात होकर दुश्मनों से देश की रक्षा करना माना जाता है, पर सिर्फ यही देशभक्ति नहीं है, बल्कि देशप्रेम का मतलब देश के कण-कण से प्रेम होना, उसके पेड़-पौधे, पत्थर, जीव-जंतु और सभी मानवों से प्रेम होना. सबके प्रति आदर-सम्मान का भाव होना तथा उनके संरक्षण के प्रति जागरूक होना. अपनी तरफ से कोई ऐसी गलत हरकत नहीं करना, जिससे देश को किसी तरह की आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक नुकसान पहुंचे. सुनकर सब बच्चों को जोश आ गया और उन्होंने एक साथ थाली बजा कर अपनी भावना प्रकट कर दी. तालियों की आवाज सुनकर आस-पास के सभी लोग जो पार्क में थे धीरे-धीरे इकट्ठे होकर इस अनोखे इंटरव्यू का मजा लेने लगे. रेयान के मन में एक ख्याल आया और उसने बुजुर्गों की तरफ मुखातिब होते हुए पूछा- मुझे उत्सुकता हो रही है कि 1947 से अब तक हमारे देश में कुछ बदलाव आये हैं या नहीं ?

हां-हां, बहुत सारे बदलाव आये हैं' सारे बुजुर्गों ने एक साथ गर्व से कहा. जब देश को आजादी मिली थी, उस समय हमारा देश अन्य प्रमुख देशों की तुलना में कई मायनों में अविकसित और कमजोर था, पर अब हमने कृषि, विज्ञान, तकनीक, प्रौद्योगिकी, खेलकूद आदि क्षेत्रों म काफी तरक्की कर ली है. कहते हुए दादाजी के स्वर में जोश आ गया. आगे कहना शुरू किया- सभी को शिक्षा मिल रही है, लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए हैं. देश के रक्षा खजाने में भारत में बने फाइटर जेट तेजस, मिसाइल धनुष, पनडुब्बी अरिहंत आदि जैसों के सफल परीक्षण ने साबित कर दिया है कि हम किसी से कम नहीं हैं. देश आधुनिकता की राह पर सतत अग्रसर है, पर कहते हुए दादाजी की आवाज धीमी हो गयी. पर क्या दादाजी? कई लोग एक साथ व्यग्र होकर पूछ बैठे.

दादाजी- पर कई लोग स्वतंत्रता और स्वच्छंदता को एक अर्थ में ले लेते हैं और अपनी मनमानी करना चाहते हैं. वे हर कार्य अपनी इच्छा और सुविधानुसार करने लगते हैं, चाहे वह उचित हो या अनुचित इससे उनमें उद्दंडता का समावेश हो जाता है. आज देश की आजादी से ज्यादा व्यक्तिगत आजादी हावी हो गयी है, हर कोई अपना अधिकार चाहता है, मगर अपना कर्तव्य पूरा करना नहीं चाहता. हम आज भी अशिक्षा, गरीबी, भ्रष्टाचार ,रुढ़िवादिता, धर्मांधता से जकड़े हुए हैं. प्रतिभावान होने पर भी कई क्षेत्रों में अपने विकास के लिए विदेशी तकनीक अपनाने को विवश हैं. माहौल जरा संवेदनशील हो गया था. सभी लोग ध्यान से उनकी बातें सुन और उसे महसूस कर रहे थे.

माहौल भांपते हुए एक दादाजी ने अपना गला एक बार फिर साफ किया और अपनी आवाज में थोड़ी तेजी लाते हुए कहा मुझे पता है कि अपने देश की खातिर इस देश का बच्चा-बच्चा तन और मन दोनों को समर्पित करने की चाह रखता है, इसके बावजूद यह भी आवश्यक है कि हम आजादी के अर्थ को सही ढंग से समझ उसकी कद्र करें, हर क्षेत्र में विदेशी तकनीक की जगह अपनी तकनीक विकसित करें, जिससे दुनिया के समक्ष हमारा देश एक आत्मनिर्भर, सक्षम और स्वाभिमानी देश के रूप में जाना जाये. सभी मन-ही-मन संकल्प कर रहे थे- हमें अपने प्रयत्नों द्वारा, अपनी प्राप्त स्वतंत्रता का सदुपयोग करते हुए अपने देश को पूर्ण स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना है. रेयान और उसके दोस्तों की खुशी का ठिकाना नहीं था, क्योंकि बातों ही बातों में उनका होम वर्क पूरा हो चुका था.

**शुभकामनाओं सहित.**
**जय हिंद, जय भारत.**

## कई मायने में खास है 15 अगस्त

यह तुम सभी को पता है कि 15 अगस्त के दिन सभी भारतीय अपना स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाते हैं, पर क्या तुम्हें पता है कि आजादी के अलावा 15 अगस्त और भी कई मायनों में खास है.

- वीर चक्र को मान्यता 15 अगस्त के दिन ही दी गयी थी.
- हमारे देश के डाक पिन (जिसे हम पिन नंबर कहते हैं, जो छह अंकों का होता है) की शुरुआत 15 अगस्त, 1972 को की गयी थी.
- 15 अगस्त, 1982 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा हमारे देश में टीवी पर रंगीन प्रसारण की शुरुआत की गयी.
- सबसे रोचक बात यह है कि भारत के अलावा दक्षिण कोरिया, बहरीन और कांगो भी 15 अगस्त को ही अपना स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं. दक्षिण कोरिया को इसी दिन 1945 में जापान से आजादी मिली थी.

आद्या कश्यप-1, इंगलिश स्कूल, दरभंगा

आयुष कुमार-2, पब्लिक स्कूल, पटौरी

आकाश कुमार सिंह-7, लहेरियासराय

आनंदिता कुमार, केंद्रीय विद्यालय, गोपालगंज

## स्वंतत्रता दिवस

स्वंतत्रता दिवस जब आता है
हम सब के चेहरे पर
रंग खिल जाता है
भारत माता के खातिरॉ
लाखों ने दी थी कुर्बानी
वीरों ने लड़ी थी जो लड़ाई
सदियों बाद हमें जीत मिल पायी
कोई नहीं कर पायेगा
उनकी भरपायी
आजादी की लडाई में
जिन्होंने जान गवायीं
आज भी हमें याद है
वे आजादी के लिए
लड़े थे जो
उनके बलिदान के खातिर ही
दिलानी है
भारत को नयी पहाचान अब
विकास की राह पर
कदमों को बस यूं ही
बढ़ाते जाना है
एक इतिहास बनाना है
एक नया भारत बनाना है.

**दीपक राम,** रांची

## आजादी का मतलब

खेल-कूद की, पढ़ने की आजादी है
हमको आगे बढ़ने की आजादी है
अमन-चैन से रहने की आजादी है
अपनी बातें कहने की आजादी है
हर थल आने-जाने की आजादी है
अपना धर्म निभाने की आजादी है
मन का खाने-पीने की आजादी है
खुशियों के संग जीने की आजादी है
लेकिन अपनी सीमा है आजादी की
वरना बनती यही वजह बरबादी की
आजादी का मतलब दंगा-खून नहीं
जिसको सब तोड़ें, ऐसा कानून नहीं
आजादी का मतलब, है उत्पात नहीं
औरों का हक छीनें, अच्छी बात नहीं
आजादी का मतलब, प्रेम राम-रब में
सबका हो उत्थान, एकता हो सब में
आजादी का मतलब, देश संवारें हम
शान तिरंगे की कुछ और निखारें हम.

**सूर्यकुमार पांडेय,** त्रिवेणीनगर, लखनऊ

## खुशियों का जीवन

सफलता पाने के लिए
हर सीढ़ी को चढ़ना है
मन में हो विश्वास कि
इतिहास नया एक गढ़ना है
दूर होगी हर मुश्किल
मेहनत की जरूरत है
गोल-मटोल दुनिया की
कितनी प्यारी सूरत है
बाधा चाहे जितनी आये
हम करेंगे उसका सामना
बार-बार के प्रयास से
सुंदर भविष्य की कामना
पीछे नहीं हटेंगे हम
कुछ भी हो परेशानी
नील गगन को छू लेंगे
मन में है यह ठानी
भूलकर पुरानी यादें अब
देखें नया एक सपना
कदम बढ़ा मंजिल की ओर
खुशियों का जीवन अपना

**सम्राट समीर-10,** पटना

प्यारा-सा नन्हा कृष्ण

## मेरे प्यारे मित्र

मेरी मित्र, मेरी सखी, मेरी यार
तू है तो सारा जहां है मेरा प्यार
तेरे बिना सारा जग सुना है
तेरे बिना सारी बातें अधूरी है
मन की हर बात
दिमाग की हर बात
तू तो सुन लेती थी
तू हर पल मेरा साथ देती थी
मेरे बिना न तू थी
और न तेरे बिना मैं थी
इसलिए हमारी
कहानी अधूरी थी।
खेलों की दौड़ में
मैं पीछे छूट जाती थी
तुझे आगे देख
मैं भी आगे हो जाती थी
कैसा है ये प्यार हमारा
विश्वास पर जो बंधा हुआ
यह दोस्ती देता सहारा
कोई दुख हो तो
मुझे ही खोजती थी
क्योंकि तू ही तो
मेरे आंसू पोछती थी
क्या बताऊं कितनी
आती है तुम्हारी याद
हर पल जो बिताया हमने साथ.

**आरती कुमारी,** पटना

## राखी के धागे

धागा नहीं यह तो प्यार का नाता है
तोहफे के लिए भी तो हम रोते हैं
फिर जाके मिठाई भी खिलाते हैं
नजर उतारते हैं हम यूं ही
आरती की थाली से देख
प्यार के धागे होते हैं कोमल
हैं ये रिश्ते बचपन से
भैया मानो तो मेरी बात
मां-पापा का न छोड़ो साथ.

**आरती कुमारी,** सेंट जोसेफ कॉन्वेंट, पटना

## ताक धिन धिन

सुबह की पहली किरण
मुस्कुराती आज
डाल डाल और पात पात
खुशियां बिखरी आज
15 अगस्त मना रहे हैं
खुशियों का त्योहार है यह
रहें खुश आपस में हम सब
कभी न झगड़ा कभी न झंझट
चलो लहराएं झंडा हम सब
बड़ी मुश्किल से मिली आजादी
कभी न देश होगा पराधीन
दुश्मनों को मार भगाकर
नाचें गाएं ताक धिन धिन.

**मुनदुन राज,** पटना

### हमें भेजो अपनी रचनाएं

तुम हमें खुद की लिखी कविता, पेंटिंग, जोक्स आदि रचनाएं भेज सकते हो. 'मुझे कुछ कहना है' कॉलम भी तुम्हारे लिए है, जिसमें किसी विषय पर राय या रोचक घटना तसवीर के साथ भेजो. सामग्री इ-मेल या डाक द्वारा भेज सकते हो, लेकिन रचना का 'विषय' जरूर लिखो. रचना मौलिक हो, प्रकाशित न हुई हो.

विषय :................................
**पता है** : हमारा बाल प्रभात, प्रभात खबर, न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस लि., 15-पी, कोकर इंडस्ट्रियल एरिया, रांची-834001 (झारखंड)
**इ-मेल** : balprabhat@prabhatkhabar.in

## माइंड टीजर्स



1 पत्थर पर पत्थर
पत्थर पर पैसा
बिना पानी के घर बनावे
वह कारीगर कैसा?.
**सोनम,** पटना

2 चुपके से मैं आती हूं
तुमको रोज सुलाती हूं
आहट पाकर सूरज की
जल्दी से भाग जाती हूं.
**रमेश,** रांची

3 खाते हैं इसको सब
स्वाद न कोई बता सका
लोग खिलाते भी हैं लेकिन
उसे न कोई चखा सका.
**दीपक,** बोकारो

4 लाल हरे सब मोती से
पैदा होते खेती से
बड़े दूर से आते हैं
बड़े चाव से खाते हैं.
**सोनू,** धनबाद

**सही जवाब** : 1. मकड़ी, 2. नींद, 3. कसम, 4. अंगूर

## मुझे कुछ कहना है

### सैनिक बन कर देश की करूंगी सेवा

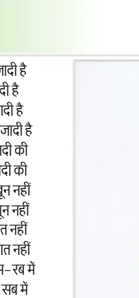

मैं अपने देश से बहुत प्यार करती हूं. मैं बड़ी होकर सैनिक बनना चाहती हूं, ताकि देश के दुश्मनों को मार सकूं और देश को उनसे बचा सकूं. इस स्वतंत्रता दिवस पर सभी सैनिकों को मेरा सलाम. वे हमारी सुरक्षा के लिए अपने जान की परवाह किये वगैर सीमा पर बेधड़क लड़ते रहते हैं.




**राधा रानी,** बिशप वेस्टकॉट स्कूल, रांची

### देश के जवान, किसान और शिक्षकों को नमन

मैं अपने देश से बहुत प्यार करती हूं. मेरे दिल में अपने देश के लिए सम्मान का भाव भरा है. मुझे गर्व है कि मेरा जन्म भारत देश में हुआ. इस स्वतंत्रता दिवस पर देश के सभी किसानों, सैनिकों और शिक्षकों को मेरा सलाम. वे सभी हमारे देश को गढ़ रहे हैं, जिससे दुनिया के मजबूत राष्ट्र में हमारा नाम शामिल हो चुका है. वंदे मातरम्, जय हिंद.



**यशस्वी शर्मा-3सी,** सुरेंद्रनाथ, रांची

## बाल कहानियां



# भाई से मिली मोलू को सीख

जब भी वह किसी को मुसीबत में पाता तो झट से उसकी मदद में जुट जाता था. इस कारण वहां की प्रजा भी तोलू से बहुत खुश रहती थी, जबकि मोलू अपनेआप में मस्त रहनेवाला था. उसे लोगों के सुख-दुख से कोई मतलब नहीं था, बल्कि उसे किसी को भी तंग करने में बड़ा मजा आता था. उसका भाई तोलू उसे समझाता कि ऐसे किसी को.

रामगढ़ में एक राजा रहता था. उसके दो बेटे थे, एक का नाम तोलू तथा दूसरे का नाम मोलू था. तोलू बड़ा ही नेक दिल और न्यायप्रिय था. उससे गरीबों, असहाओं का दुख देखा नहीं जाता था. जब भी वह किसी को मुसीबत में पाता तो झट से उसकी मदद में जुट जाता था. इस कारण वहां की प्रजा भी तोलू से बहुत खुश रहती थी, जबकि मोलू अपनेआप में मस्त रहनेवाला था. उसे लोगों के सुख-दुख से कोई मतलब नहीं था, बल्कि उसे किसी को भी तंग करने में बड़ा मजा आता था. उसका भाई तोलू उसे समझाता कि ऐसे किसी को तंग नहीं किया करते. तोलू उसे भी गरीबों और असहायों की मदद करने को कहता था. मोलू ने चुपचाप उसकी बातों को सुन लिया और अपनी आदतों को जैसे-का-तैसे ही रखा.

एक दिन तोलू अपने बगीचे में टहल रहा था, तभी अचानक उसके सामने बहुत ही सुंदर तोता जख्मी हालत में आ गिरा. तोता दर्द से कराह रहा था, तोलू ने उसे झट से उठाया और कपड़े से उसके जख्म को साफ किया. फिर उस पर दवाई लगा दी. इतने में मोलू भी वहां दौड़ता हुआ आया और बोला- भैया क्या आपने किसी तोते को यहां आते हुए देखा है. तोलू ने पूछा क्यों? उसने कहा- मैंने उसे तीर मारा था, ताकि मैं उसे पकड़ कर मजे से खेल सकूं. तोलू ने थोड़ा गुस्सा होते हुए कहा- तो तुमने यह काम किया है. वह तोता मेरे ही पास है. उसने झट से कहा- तो चलो न भैया हम दोनों उस तोते के साथ खेलते हैं. तोलू बोल पड़ा



- मैंने तुम्हें कितनी बार समझाया है कि किसी कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए. इससे इश्वर नाराज होते हैं. देखो तो मोलू इस नन्हे तोते को तुमने कितना कष्ट दिया. देखो यह किस तरह मायूस है. सोचो अगर कोई तुम्हें इस तरह कष्ट पहुंचाये या किसी वजह से तुम दुखी होते हो तो तुम्हारा मन कैसा करता है. तुम्हें बहुत गुस्सा आता होगा, मन-ही-मन सोचते होगे कि यह कितना बुरा इंसान है. इसी प्रकार तुम्हारे व्यवहार से भी लोगों को बहुत ही कष्ट पहुंचता होगा, भले ही वह तुम्हें कुछ न कहते हों. हम इस राज्य के राजा के बेटे हैं, लेकिन उससे भी पहले हम एक इंसान हैं. एक अच्छे राजा का भी कर्तव्य होता है कि उसकी प्रजा को कभी कोई कष्ट न हो. यह सुन कर मोलू के आंखों में आंसू आ गये. उसने कहा -भैया मुझे माफ कर दीजिए. अब कभी ऐसी गलती नहीं करूंगा. फिर मोलू पूरी तरह बदल गया और उसने तोते की कुछ दिनों तक सेवा की, जिससे वह जल्दी ठीक हो गया, तो मोलू ने तोते को कैद रखने की जगह, आजाद कर दिया.

**कहकशां प्रवीण,** कटिहार

नोट : इस कॉलम के लिए तुम भी कहानियां लिख कर भेज सकते हो. उस कहानी से संबंधित पेंटिंग या चित्र भी भेजो. उसे हम प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे.

## 15 अगस्त, 1947 से जुड़े रोचक तथ्य

**महात्मा** गांधी आजादी के दिन दिल्ली से हजारों किलोमीटर दूर बंगाल के नोआखली में थे, जहां वे सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए अनशन पर थे.



**जब** तय हो गया कि भारत 15 अगस्त को आजाद होगा तो जवाहर लाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल ने महात्मा गांधी को खत भेजा.

**गांधीजी** ने इस खत का जवाब भिजवाया, जब कलकत्ते में लोग एक-दूसरे की जान ले रहे हैं, ऐसे में मैं जश्न मनाने के लिए कैसे आ सकता हूं. मैं दंगा रोकने के लिए अपनी जान दे दूंगा.

**जवाहर** लाल नेहरू ने ऐतिहासिक भाषण ट्रस्ट विद डेस्टनी 14 अगस्त की मध्यरात्रि को वायसराय लॉज (मौजूदा राष्ट्रपति भवन) से दिया था, तब नेहरू प्रधानमंत्री नहीं बने थे.

15 अगस्त, 1947 को लॉर्ड माउंटबेटन ने अपने दफ्तर में काम किया. नेहरू ने उन्हें मंत्रिमंडल की सूची सौंपी और बाद में इंडिया गेट के पास प्रिंसेज गार्डन में एक सभा को संबोधित किया.

अक्षता प्रसाद-3बी, लोयला, जमशेदपुर

अरुणिमा आर्या सिंह-7सी, सुरेंद्रनाथ, रांची

आएशा अकबर, शेखाना खुर्द, बिहारशरीफ



दक्ष बंसल-3सी, डीपीएस, रांची

अंकिता कुमारी-9, सीतामढ़ी



आयानसी-4सी, सुरेंद्रनाथ, रांची

चंदन कुमार-10, जीडीएचएस, बिनगामा

जूही भगत-5सी, कैराली स्कूल, रांची

## पेंटिंग ऑफ द वीक

सोनाली कुमारी-12, आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर, रांची

यश बालाजी शर्मा-4सी, सुरेंद्रनाथ, रांची

श्रेया आर्या-7बी, उषा पब्लिक स्कूल, शेखपुरा

वेदिका पट्टनायक-4, डीपीएस, रांची

विश्वजीत राज-5, गॉड ग्रेस स्कूल, रांची

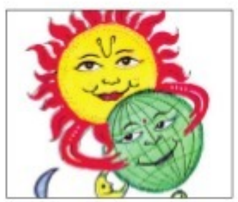



विवेक पट्टनायक-11, जवाहर विद्या मंदिर, रांची

वैष्णवी झा-8, रोसड़ा, समस्तीपुर

## माइंड गेम्स-76

1. एक लड़के की उम्र 25 साल है. उसके पिताजी की उम्र 50 साल है. तुम्हें बताना है कि लड़का अपने पिताजी से कितने % छोटा है और पिताजी लड़के से % बड़े हैं?

2. एक व्यक्ति अपनी 3 बहनों से मिलने कुछ रकम लेकर घर से निकला. पहले दिन वह बड़ी बहन के घर गया. जब वह स्नान करने गया, तो बड़ी बहन ने भाई के कपड़ों की जेबों की तलाशी ली. जितनी रकम जेब में थी, उतनी ही रकम बड़ी बहन ने अपने पास से मिला कर वापस भाई की जेब में रख दी. विदा लेते समय भाई ने बहन को 2000 रुपये दिये. अगले दिन भाई मंझली बहन के घर गया. भाई के स्नान को जाते ही मंझली बहन ने भी तलाशी ली और जेब में जितनी रकम थी, उतनी ही अपनी तरफ से मिला कर भाई की जेब में रख दी. विदा लेते समय भाई ने बहन को 2000 रुपये दिये. अगले दिन भाई छोटी बहन के घर गया. छोटी बहन ने भी जेब की रकम के बराबर रकम भाई की जेब में रख दी. विदा लेते समय भाई ने छोटी बहन को 2000 रुपये दिये. घर पहुंचने पर भाई की जेब में 5000 रुपये बचे हुए थे. तो अब सवाल यह है कि तीनों बहनों से मिलने के लिए भाई, कितनी रकम लेकर निकला था?

### माइंड गेम्स-75 का उत्तर

1. चौथे बेटे का नाम सवाल में पहले से दिया गया है, उसका नाम रामू है.
2. 8 AM
3. बरात
4. सूरज
5. Camay

**इन्होंने भी दिये सही जवाब :** राकेश कुमार, रांची. सुंदरम शर्मा, सीवान. चंद्रमोहन सिन्हा, पटना. सन्नी पांडे, जमशेदपुर. कुंदन कुमार, गोपालगंज. तुम सभी को ढेरों बधाई. इस अंक के लिए भी तुम्हारे जवाबों का इंतजार रहेगा... तब तक दिमाग लगाओ.

**विनर्स**

आयुष कुमार
बोकारो

मिथिलेश राम
बल्लीपुर

संतोष कुमार

सोहन कुमार
दरभंगा

आमना उस्मानी
मीरगंज

अदनान इकबाल
बारसोई

तुम इन माइंड गेम्स के उत्तर अपने अपने फोटो के साथ इमेल द्वारा भेजो. अगले अंक में हम सही जवाब देनेवाले बच्चों के नाम फोटो के साथ प्रकाशित करेंगे. हमारा इमेल है- bal-prabhat@ prabhatkhabar.in

# दुनिया के कुछ अनूठे झंडों का लेखा-जोखा

**ध्वज** किसी समुदाय, संगठन या देश के राष्ट्रीय प्रतीक या सिंबल हैं. ये सिंबल उस देश की पहचान बन जाते हैं. ये झंडे आज के नहीं हैं, सदियों पहले भी इस्तेमाल में लाये जाते थे. फर्क इतना है कि उस समय इनका रूप अलग था. ये भाले या स्पीयर्स के रूप में थे, जिन्हें सांस्कृतिक प्रतीकों से सजाया जाता था. एक समूह के लोग, दूसरे समूह से खुद को अलग करने के लिए भाले पर रिबन, चमड़े या रेशम से सजावट करते थे. किसी जगह पर अपनी सत्ता जमाने के लिए वे भाले वहां छोड़ देते थे.

### कब से आया झंडे का चलन

18वीं सदी से इन भालों का स्थान झंडों ने ले लिया और पूरी दुनिया में इसका चलन बढ़ गया. किसी नयी जगह पर अपना अधिकार जमाने के लिए या अपनी पहुंच का एहसास कराने के लिए झंडे का इस्तेमाल किया जाने लगा. 19वीं सदी में पहली बार चांद पर कदम रखनेवाले नील आर्मस्ट्रांग ने अमेरिका का झंडा और माउंट एवरेस्ट को फतह करनेवाले सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने यूनाइटेड किंगडम का परचम लहराया.

### हर झंडे की होती है विशिष्टता

बच्चो आज दुनिया में 200 से अधिक देश हैं और उन सभी के अपने विशिष्ट झंडे हैं, लेकिन अगर ध्यान से देखो तो तुम पाओगे कि शेप में ये झंडे आयताकार (रेक्टेंगुलर) शेप के हैं. हां दो त्रिकोण (ट्राएंगल) शेप का नेपाल का झंडा जरूर इसका अपवाद है, जिसमें दो त्रिकोण एक साथ हैं. दुनिया भर में स्क्वेयर शेप में स्विस का झंडा भी अपने आपमें अनूठा है. इसी तरह अनुपात को लेकर भी दुनिया भर के झंडों में मतभेद पाया जाता है. आमतौर पर दुनिया भर में झंडे का स्टेंडर्ड साइज चैड़ाई और लंबाई के 1/2 के अनुपात में (9/18 फुट) मान्य है, लेकिन कनाडा जैसे कुछ देश इसके अपवाद हैं. वहां के झंडे का अनुपात 2:3 है.

### हर रंग का होता है खास महत्व

जहां तक विभिन्न देशों के झंडों की रंग योजना का सवाल है. दोस्तो इनमें हरा, लाल, नीला, पीला जैसे प्राइमरी रंग ही नहीं हैं, बल्कि सफेद, काला जैसे सेकेंडरी कलर भी हैं. जो प्राइमरी रंगों के साथ मिल कर नया रंग बनाते हैं. जैसे- नारंगी, सुनहला. दोस्तो दुनिया भर के झंडों में सिर्फ दक्षिण अफ्रीका का झंडा ही ऐसा झंडा है, जिसमें 6 रंगों का इस्तेमाल किया गया है. ज्यादातर देश के झंडे 2 से 4 रंगों के हैं. वैसे तो इन रंगों का अपना महत्व है, लेकिन अलग-अलग संस्कृतियों में ये अलग अर्थ भी रखते हैं. झंडे में हर रंग को एक खास महत्व के साथ शामिल किया जाता है.

केसरिया, सफेद और हरे रंग के अपने तिरंगे से तो तुम सभी वाकिफ हो, जिसे 15 अगस्त को फहराने में तुम जैसे बच्चे भी कहां पीछे रहते होगे. बड़े गर्व से अपने हाथ में तिरंगा लेकर जरूर घूमते होगे. चैड़ाई और लंबाई के 2/3 अनुपात में बने हमारे तिरंगे का केसरिया रंग शौर्य का, सफेद प्रकाश और शांति का और हरा रंग संपन्नता व विकास को दर्शाता है. इसके बीचोबीच नीले रंग का एक अशोक चक्र होता है, लेकिन क्या तुम जानते हो कि दूसरे देशों के भी अलग-अलग रंगों और डिजाइन के झंडे हैं, जिन्हें वे भी अपने नेशनल फेस्टिवल पर फहराते हैं. जानकारी दे रही हैं **रजनी दीदी**.

### प्रतीकों का भी अपना खास महत्व

झंडों के रंग ही नहीं, इनके बीच बने सिंबल या प्रतीक भी अलग-अलग हैं और इनका अपना महत्व है. ये सिंबल ज्यादातर धर्म पर आधारित हैं. दुनिया के लगभग एक-तिहाई देशों के झंडों पर ईसाई प्रतीक हैं. लगभग 33 प्रतिशत झंडों पर इस्लामिक प्रतीक हैं. बौद्ध व हिंदू धार्मिक प्रतीक केवल 5 देशों के झंडों पर बने हैं, जिनमें से नेपाल के झंडे में तो इन दोनों का ही इस्तेमाल किया गया है.

**सूर्य :** सूरज का सर्कल एकता और ऊर्जा का प्रतीक है. जापान उगते सूरज वाला देश है, इसलिए उसके झंडे में लाल गोला सूरज का प्रतीक है. उरुग्वे और अर्जेंटीना के झंडे में भी इस सिंबल का उपयोग किया गया है.

**चंद्रमा :** झंडों में चंद्रमा की क्रिसेंट शेप को लिया गया है. इसके साथ एक स्टार मिला कर बना सिंबल एक तो इस्लाम धर्म का प्रतिनिधित्व करता है. इसका प्रयोग दुनिया के अधिकतर इस्लामिक देशों के झंडों में किया गया है. ये अफ्रीका, अल्जीरिया, तुर्की, जैसे देशों के झंडों में मिलते हैं.

**स्टार :** नीले आकाश में चमकते सफेद स्टार शक्ति और ऊर्जा के प्रतीक हैं. ये सिंबल अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड के झंडों में हैं.

## देश की पहली महिला

**एवरेस्ट शिखर पर पहुंचने वाली पहली महिला :** बछेंद्री पाल ने एवरेस्ट फतह कर एक कीर्तिमान बनाया. वे एवरेस्ट की ऊंचाई को छूने वाली दुनिया की 5वीं महिला पर्वतारोही हैं.

**ऑस्कर प्राइज प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला :** भानु अथैया को ड्रेस डिजाइन करने के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर प्राइज मिला था.

**ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला :** कर्णम मल्लेश्वरी ने सिडनी ओलिंपिक में अपने देश के कांस्य पदक जीत कर इतिहास रच दिया था.

**अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय मूल की महिला :** कल्पना चावला अंतरिक्ष में जाने वाली प्रथम भारतीय महिला थी. वे कोलंबिया अंतरिक्षयान में गये सात यात्री दल में शामिल थीं.

कई बार पढ़ाई के प्रेशर में या फिर अन्य कारणों से तुम सही से नींद पूरी नहीं कर पाते होगे . पर्याप्त नींद नहीं ले पाने की वजह से अगले दिन पढ़ाई में भी मन नहीं लगता होगा . ऐसे में तुम्हारा स्मार्टफोन तुम्हारी मदद कर सकता है . गूगल प्ले स्टोर पर कुछ ऐसे एप्स मौजूद हैं, जो तुम्हार नींद को ट्रैक कर सकते हैं . ये एप्स तुम्हें बता देंगे कि कब तुम थकान महसूस करोगे . कुछ ऐसे ही एप्स के बारे में जानो .

## इन एप्स की मदद से रखो

# अपनी नींद का ख्याल

### गूगल फिट

गूगल द्वारा लॉन्च किया गया यह एक नया फिटनेस एप है . इस एप की खास बात है कि यह स्मार्टफोन के अधिक यूज पर भी तुम्हें रिमाइंडर देगा कि तुमने कितने घंटे स्मार्टफोन यूज कर लिये . इसको गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है . इसको स्मार्टफोन, स्मार्ट वाच व टैबलेट तीनों में यूज कर सकते हो . इससे तुम्हें यह भी पता चलेगा कि आज कितने घंटे की तुम्हारी नींद बाकी है .

### स्लीप बॉट

यह कोई खास लोकप्रिय एप नहीं है, लेकिन इसमें दिये गये फीचर्स काफी यूजफूल हैं . यह एप मल्टीपल अलार्म, विजेट सपोर्ट के साथ आता है . इसके अलावा यह एयर प्लेन मोड पर भी काम करता है . यह एप पर्सनल रोबोट की तरह तुम्हारी मदद करता है . इसे तुम प्ले स्टोर से फ्री में डाउनलोड कर सकते हो .

### स्लीप टाइम

स्लीप टाइम एक सब्सक्रिप्शन प्राइस के साथ स्लीप ट्रैकर एप में से एक है . इसमें अलार्म क्लॉक सेटिंग्स के कई प्रकार दिये गये हैं . इसके साथ ही यह स्लिप एनालिसिस के साथ आता है, जो आपको बताता है कि कब आपको उठना चाहिए और कब सोना है .

### स्लीप एस एंड्रॉयड

यह एक स्लीप ट्रैकर एप है . यह तुम्हारे स्लीप साइकिल को सामान्य तरह से ट्रैक करता है . यह एंड्रॉयड स्मार्टफोन में आसानी से सर्पोट करता है . तुम इस एप की मदद से सोने की रूटिन तैयार कर सकते हो . यह गूगल प्ले स्टोर पर फ्री में उपलब्ध है .

### अलार्म क्लॉक एक्स्ट्रीम

यह एक अलार्म घड़ी एप है . हालांकि, यह स्लीप ट्रैकिंग फीचर्स के साथ भी आता है . इसमें विभिन्न प्रकार के अलार्म हैं . यह एप तुम्हें बतायेगा कि कब तुम्हें सोना है और कब नींद से जागना है . यह तुम्हारी नींद की गुणवत्ता के साथ मात्रा का भी विश्लेषण करेगा .

## इस वेबसाइट से मिलेगी अपने देश की सारी जानकारी

knowindia .gov .in | पूजा कुमारी

भारत केवल विविधता में एकता का देश नहीं है, बल्कि यह अपनी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के कारण भी विश्व में अपनी एक अलग पहचान रखता है . जो भी इस देश के बारे में एक बार जान लेता है, वह इसे और गहराई से जानने की कोशिश करता है . ऐसे में भारत के बारे में सभी तरह की जानकारियां पाने के लिए 'नोइंडिया .गोव .इन' वेबसाइट एक अच्छा विकल्प है, जो केवल भारत में रहनेवाले लोगों को ही नहीं, बल्कि विदेशों में रहनेवाले उन लोगों को भी इस देश से परिचित करवा रहा है, जो भारत से प्यार करते हैं .

भारत के हर राज्य में तुम्हें एक अलग ही संस्कृति रीति-रिवाज और परंपराएं मिलेंगी . इनके बारे में जानना वाकई रोचक है . knowindia . gov .in के होम पेज पर तुम्हें कल्चर एंड हेरिटेज सेक्शन मिलेगा, जिसमें भारत का इतिहास, यहां मौजूद स्मारक स्थल, यहां के लोगों की जीवनशैली, यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल में शामिल की गयी जगहें, यहां की प्रमुख कलाएं और साहित्य के बारे में सब कुछ जानने को मिलेगा . डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ इंडिया सेक्शन में भारत के सभी 640 जिलों के बारे में बताया गया है . इस सेक्शन में भारत के सभी राज्यों के नाम दिये गये हैं . किसी भी राज्य के नाम पर क्लिक कर तुम वहां के सभी जिलों के बारे में डिटेल जानकारी पा सकते हो .

### मिलो अपने देश के दोस्तों से

अभी हाल ही में तुम सबने अपने दोस्तों के साथ फ्रेंडशिप डे सेलिब्रेट किया होगा . पर क्या तुम जानते हो कि अपने देश के कौन-कौन से फ्रेंड्स हैं? इंडिया एंड द वर्ल्ड सेक्शन में जाकर तुम भारत के सभी दोस्तों और पड़ोसी देशों के बारे में जान पाओगे . भारत के इन सबके साथ आपसी संबंधों और अब तक के रिश्तों के बारे में भी यहां सभी जानकारी दी गयी है .

### किड्स के लिए स्पेशल कॉर्नर

बच्चों के लिए इस वेबसाइट पर विशेष रूप से किड्स कॉर्नर बनाया गया है . यहां बच्चों से संबंधित ढेर सारी चीजें तुम्हें मिलेंगी . यहां नेशनल आइडेनटिटी एलिमेंट्स सेक्शन में भारत के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों और चिन्हों के बारे में चित्र के साथ बताया गया है . बस तुम्हें जिस राष्ट्रीय चिन्ह या प्रतीक के बारे में जानना है, उसपर क्लिक करने भर की देर है . सारी इन्फॉर्मेशन तुम्हारे सामने आ जायेगी . अगर किताबें पढ़ने के शौकीन हो, तो यहां तुम्हारे लिए किताबों का खजाना मौजूद है . इसके लिए नेशनल लाइब्रेरी पर क्लिक कर तुम्हें अपना नाम रजिस्टर करना होगा . उसके बाद इस लाइब्रेरी की जिन किताबों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है . उन किताबों को तुम ऑनलाइन पढ़ पाओगे . इस सेक्शन में भारत के सामान्य जानकारियों पर आधारित एक क्विज भी है, जिसमें हिस्सा लेकर तुम भारत के बारे में अपनी नॉलेज को परख सकते हो .

### प्रेसिडेंट को लेटर

भारत के राष्ट्रपति से बच्चों का लगाव हमेशा से रहा है . अगर तुम भी उन्हें पत्र लिखना चाहते हो तो राइट टू प्रेसिडेंट पर क्लिक कर अपना मैसेज लिख कर तुम उन्हें इमेल के माध्यम से सेंड कर सकते हो . माइ इंडिया-माइ प्राइड सेक्शन में भारत के बारे में कई रोचक तथ्य बताये गये हैं . साथ ही यहां भारत के प्रमुख अवाड्र्स, दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की सेलिब्रेशन, कविताएं, कोट्स, तिरंगे का इतिहास जैसी बातें भी तुम्हें पढ़ने को मिलेंगी . इतनी सारी जानकारियों के बाद अगर तुम चाहो तो देश के बारे में खुद ही एक छोटी-सी स्पीच तैयार कर इस स्वतंत्रता दिवस पर सबका दिल जीत सकते हो .

## देश की पहली महिला

**देश की पहली महिला राज्यपाल** : सरोजिनी नायडू स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय रहीं . उन्हें आजादी के बाद उत्तर प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया था .

**देश की पहली महिला मुख्यमंत्री** : सुचेता कृपलानी के नाम यह रिकॉर्ड दर्ज है . वे 2 अक्तूबर, 1963 से 13 मार्च, 1967 तक उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं .

**उच्च न्यायालय में पहली महिला मुख्य न्यायाधीश** : लीला सेठ मुख्य न्यायाधीश बनने वाली पहली महिला थीं . वे देश की पहली महिला भी थीं, जिन्हें लंदन बार परीक्षा में शीर्ष स्थान मिला .

**सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला न्यायाधीश** : एम फातिमा बीबी वर्ष 1989 में इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली भारतीय महिला हैं .

## मैथ मैजिक

आशा है तुमलोगों को मैथ मैजिक कॉलम पसंद आ रहा होगा . तुम्हारे मन में इन मैजिक्स को लेकर कोई सवाल हो, तो जरूर पूछो . कुछ समझ में न आये तो भी मेल से तुम बता सकते हो . हमलोग अभी सधारण ब्याज, मूलधन आदि सीख रहे हैं . पिछले अंक में जहां छोड़ा था, वहीं से आज शुरुआत करते हैं, जिनका लिंक बीच में टूटा होगा, उन्हें समझने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है . हां एक बात मैं बार-बार दोहराती हूं कि प्रैक्टिस को हमेशा जारी रखो .

पुनीता कुमारी
संचालिका, मैथ मैजिक क्लब
इमेल : 10punita@gmail.com

कोई राशि P को दो भागों में इस तरह से बांटा जाता है कि पहले भाग पर r1% दर से t1 वर्षों का ब्याज, दूसरे भाग पर r2% दर से t2 वर्षों का ब्याज समान होता है.
इस तरह यह हो गया

$$\text{राशि} = \left(m - \frac{P \times r1 \times t}{100}\right) \times \frac{100}{(r1 \text{ तथा } r2 \text{ में अंतर}) \times t}$$

सवाल इस तरह से तुम्हारे सामने होंगे. एक रकम 3600 रुपये को दो भागों में इस तरह से बांटा गया कि पहले भाग पर 3 प्रतिशत दर से 2 वर्षों में ब्याज, दूसरे भाग पर 4 प्रतिशत दर से 3 वर्षों में ब्याज समान प्राप्त होता है. 4% दर दिया गया मूलधन का हिस्सा क्या है ?

$$= \frac{\text{पहला भाग}}{\text{दूसरा भाग}} = \frac{4 \times 3}{3 \times 2} = \frac{12}{6} = 2 : 1$$

इस तरह 4 प्रतिशत दर वाला दूसरा भाग =

$$= \frac{1}{(1+2)} \times 3600 = 1200\text{रु}$$

तुमने देखा कि पहले इस सवाल में दोनों भागों का दर और समय के रेसपेक्ट में रेशियो (अनुपात) निकालो, फिर रेशियो निकालें. फिर निकाले गये रेशियो से दूसरा भाग निकाल लिये.
कोई धन P में से कुछ राशि को r1% वार्षिक दर पर तथा शेष को r2% दर पर कर्ज दिया गया. यदि t वर्षों के बाद कुल m रुपये ब्याज प्राप्त हो, तो r2% दर पर कर्ज दी गयी राशि

$$= \left(m - \frac{P \times r1 \times t}{100}\right) \times \frac{100}{(r1 \text{ तथा } r2 \text{ में अंतर}) \times t}$$

अब इन बातों को एक सवाल द्वारा समझो -
6000 रुपये की राशि का कुछ भाग 4% वार्षिक दर पर तथा शेष राशि 7% वार्षिक दर पर उधार दिया गया. यदि 3 वर्षों के बाद 900 रुपये ब्याज आता हो, तो 4% दर पर कितने रुपये उधार दिये गये ?

$$\text{राशि} = \left(m - \frac{P \times r1 \times t}{100}\right) \times \frac{100}{(r1 \text{ तथा } r2 \text{ में अंतर}) \times t}$$

$$= \left(900 - \frac{6000 \times 7 \times 3}{100}\right) \times \frac{100}{(7-4) \times 3}$$

$$= (900 - 1260) \times \frac{100}{9} = -360 \times \frac{100}{9} = 4000\text{रु}$$

ऋणात्मक (-) चिन्ह को इग्नोर कर दो.
(7 प्रतिशत वार्षिक दर पर 3 वर्षों के लिए 6000 रुपये का ब्याज 1260 रुपये होता है. पर चूंकि 6000 रुपये को दो भाग में बांटा गया था और दोनों का वार्षिक ब्याज दर में भी अंतर (7-3) था. अब सवाल में 4 प्रतिशत दर पर कितना रुपये उधार का प्रश्न है, इसलिए हमें दोनों के ब्याज दर में अंतर के साथ समय को भी देखते हुए राशि निकालनी है.)

**नोट : अगर गणित से जुड़ी तुम्हारी कोई उलझन हो या शेयर करने के लिए कोई मजेदार ट्रिक्स हो, तो तुम सीधे मुझे इमेल कर सकते हो.**

## देश की पहली महिला

**देश की पहली महिला राष्ट्रपति :** प्रतिभा पाटिल के कार्यकाल की शुरुआत 25 जुलाई, 2007 को हुई थी . उन्होंने देश के 12वें राष्ट्रपति के रूप में अपनी सेवाएं दीं .

**देश की पहली महिला प्रधानमंत्री :** इंदिरा गांधी काफी लंबे समय तक देश की प्रधानमंत्री रहीं . वर्ष 1966 में उन्होंने पहली बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी .

**देश की पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष :** मीरा कुमार के नाम यह गौरव दर्ज है . वे 3 जून, 2009 को निर्विरोध लोकसभा अध्यक्ष चुनी गयी थीं .

## हमारी दुनिया

### चीन के एक पार्क में मिला आठ किलोग्राम का मशरूम

**तुमने** कई तरह के मशरूम देखे होंगे, लेकिन वह काफी छोटे-छोटे होंगे . पिछले दिनों चीन के यून्नान प्रांत में एक विशाल मशरूम मिला है . यह मशरूम करीब आठ किलोग्राम वजन का है . साथ ही यह 1.8 मीटर के क्षेत्र में फैला है . चीनी मीडिया की रिर्पोट के मुताबिक, यह मशरूम यून्नान प्रांत के पुअर सन रीवर नेशनल पार्क में मिला है . हालांकि, वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह मशरूम खाने लायक नहीं है . यह पार्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के संक्रमण क्षेत्र में है . वहां इस तरह के कई सारे पौधे हैं . मशरूम को लेकर स्थानीय लोगों के साथ-साथ पार्क से संबंधित अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने इससे पहले इतना बड़ा मशरूम नहीं देखा था . इस मशरूम का रंग भूरा है और ये कई परतों में है . उस पार्क में कई अगल-अलग तरह के और भी पौधे हैं .

### कुछ ही सेकेंड में धराशाई हुए कई बहुमंजिला इमारत

**पिछले** कुछ वर्षों में तकनीक के मामले में चीन ने काफी तरक्की की है . हाल ही में चीन के एक प्रमुख शहर जेंगझोउ स्थित वर्षों पुरानी बिलडिंग्स को चीनी इंजीनियरों ने कुछ सेकेंड में गिरा दिया . वहां फिर से नया शहर बसाने का प्लान है . इसी वजह से पुरानी इमारतों को हटा दिया गया . खास बात है कि इस पूरी घटना का वीडियो बनाया गया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर भी शेयर किया गया . इस दौरान करीब 36 इमारतों को 20 सेंकेंड में धराशाई कर दिया गया . इसके लिए करीब 2.5 टन डायनामइट का प्रयोग किया गया . इन डायनामाइट्स को बिल्डिंग के निचले हिस्से में लगा दिया गया . इसके बाद एक के बाद एक इमारतें ध्वस्त होती चली गयीं . ये सारी बिल्डिंग्स करीब 20 मंजिला थीं . इसके कुछ घंटों तक चारों तरफ धूल उड़ती रही .

### नासा ने एक बच्चे के लिखे पत्र का दिया जवाब

**नासा** में नौकरी करना किसी के लिए भी सपने की तरह होता है . हाल ही में जब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने धरती को एलियंस से होनेवाले खतरे से बचाने के लिए प्लैनेटनरी प्रोटेक्शन ऑफिसर के पद पर भर्तियां निकालीं तो इसके लिए अप्लाई करनेवालों की बाढ़ आ गयी . लेकिन खास बात है कि इस नौकरी के लिए एक चौथी कक्षा के बच्चे ने भी अप्लाई किया . जैक डेविस नाम के इस अमेरिकन बच्चे ने नासा को लेटर लिख कर खुद को इस नौकरी के योग्य बताया . इतना ही नहीं नासा ने भी लेटर लिख कर जवाब दिया . बच्चे ने लेटर में लिखा कि मेरा नाम जैक डेविस है और मैं प्लैनेटरी प्रोटेक्शन ऑफिसर के पद के लिए अप्लाई करना चाहता हूं . मैं 9 साल का भले हूं, लेकिन मेरा मानना है कि मैं इस नौकरी के योग्य हूं . एक कारण यह भी है कि मेरी बहन कहती है कि मैं एक एलियन हूं . मैंने स्पेस और एलियन से संबंधित लगभग सभी फिल्में देख रखी हैं .

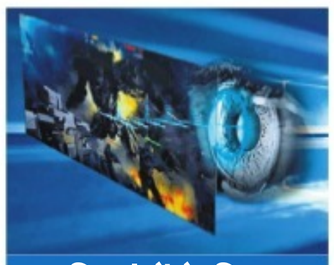

### दिव्यांगों के लिए माइक्रोसॉफ्ट ने तैयार किया यह सॉफ्टवेयर

**दिव्यांगों** को ऑनस्क्रीन माउस और कीबोर्ड के इस्तेमाल पर सशक्त बनाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज-10 के लिए आइ कंट्रोल बीटा लॉन्च किया है, जिसे आंखों के मदद से नियंत्रित किया जा सकता है . माइक्रोसॉफ्ट के सॉफ्टवेयर इंजीनियर के मुताबिक आइ कंट्रोल फीचर को एक संगत आइ ट्रैक की जरूरत होगी . एक बार जब आइ कंट्रोल चालू होता है, तो स्क्रीन पर एक लॉन्च पैड दिखाई देता है, जो यूजर्स को माउस, कीबोर्ड, टेक्स्ट-टू-स्पीच और यूजर इंटरफेस की स्थिति बदलने की सुविधा देता है . हालांकि, इस नये टूल के साथ अभी कई चुनौतियां हैं .

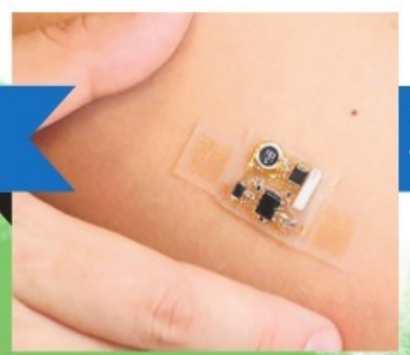

### अमेरिकी वैज्ञानिकों ने तैयार किया बायोसेंसर

**हाल** ही में वैज्ञानिकों ने एक नया सेंसर विकसित किया है, जो त्वचा के एक छोटे हिस्से में पसीने की ग्रंथी को प्रेरित करता है . यह उस वक्त भी मेडिकल रीडिंग कर सकता है, जब उपयोगकर्ता का पसीना नहीं निकलता है . गौरतलब है कि मानव के पसीने की जांच करनेवाले मेडिकल सेंसर के लिए दिन भर पसीना निकलने की जरूरत होती है, ताकि निरंतर स्वास्थ्य रीडिंग ली जा सके . अमेरिका में सिनसिनाटी यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने यह उपकरण विकसित किया है, जो बैंड -एड के आकार का है . यह पसीना निकालने के लिए एक रसायनिक प्रेरक का उपयोग करता है और यह उस वक्त भी काम करता है, जब रोगी या व्यक्ति शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं होता .

**बाल प्रभात टीम**
- **संयोजन :** रजनीकांत पांडे
- **संपादकीय सहयोगी :** विवेकानंद सिंह
- **डिजाइन :** कन्हैया कुमार